DPN 6322

Title : नक्षत्र माला NAKṢATRA MĀLĀ

Run. No. 7013 | Cat. No. | Micro. No.

Subject ज्योतिष Astrology | Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 25·5 × 16·5 | Folios 37 | Lines (in a page) 12 irregular

Compl. / Incompl. | Chapt. / act / इपोतमा पौ मगा: Beginning folios missing.

Author / translator

Scribe / donor ईश्वरमान रंजितकार Isvarman Ranjitkar

Date: NS / SS / VS / KS 1952

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

इती नक्षत्र माला समाप्तम्: संपुर्न छुकं ॥ ॥
इती संवत् (विक्रमीय) १९५२ साल मीती आषाढ सुदी ११ रोज शुक्र

0 CMS 5 10 15 20

[illegible]

[illegible]

[illegible]

आनन्द धनाभय ॥ भि
एकादशानन्तभय ॥ माभि
कुवेरधनवर्णनाय ॥ भि
प्रजापत्य प्रजाप्रजा ॥ भि
मेत्स्यविकिलानि ॥ भि
भयभय मेवच ॥ भि
[illegible] मनवीप्रात ॥ माभि
[illegible] हस्ताव ॥ माभि
वतेनज [illegible] स्पात भि
[illegible] कुव माभि

अप्रत	उ	ल	अ	म	अ	[illegible]	[illegible]	[illegible] भ ति युद्धयत ॥	त्रि
उहक	अ	दु	न	आ	भ	[illegible]	अ	[illegible] पडे नकल है पाका ॥	मत्रि
गदा	[illegible]	ह	ह	बु	ठ	[illegible]	ज	[illegible] शे मद्धदि मर्धने	त्रि
भता			[illegible]	ध	उ	बी	पु	मात गीकुडल ढाति:	त्रि
उसल	[illegible]	[illegible]	[illegible]	अ	ह	अ	ड	[illegible] थे यु च धन भवेत्	मत्रि
ले			भा	भ	वी	जे	अ	धन मी भ धन म [illegible] ति	त्रि
छिता		डं	पु	पु	त्वा	प	श्र	क्षी [illegible] की [illegible]	त्रि
	[illegible]	उ	ध	ड	वी	पु	डु	[illegible]	

	पु	अ	गु	श्र	5	क	पु	देवी मव कुपा ला सिधि ॥	त्रि
[illegible] ल	5	पि	पु	ध	टे	टे	पो	मत्रि पुत्रि ल भागम ॥	त्रि
मानल	ठ	अ	5	ल	अ	म	अ	मान लेवी तु ममान ॥	त्रि
पदमा	वी	जे	अ	न	भ	आ	म	पन्ना ध श्री प्रमधन ॥	त्रि
[illegible] वुक	त्या	नु	ध	5	ह	पु	पु	अलापे चात्र लौ भत्याक ॥	मत्रि
[illegible] यान	वी	म	व	टे	टे	ध्य	5	दस्मुले चापु घल्लपत ॥	मत्रि
[illegible] म.द	ह	5	म	अ	म	आ	ह	मतुमतु मवा प्राती ॥	मत्रि
	ग	म	न	भ	आ	म	वी	काल तं गवी भेदन ॥	
[illegible] काल	[illegible]	श्र	5	ह	पु	पु	त्वा	ती छिला [illegible] ति नलैलय :	त्रि
[illegible] सिधि	[illegible]	[illegible]	टे	टे	ध	5	वी	तुभ आगामवा प्राती ॥	श्री
शुभ									

[illegible]	दक्षिकोनस्य [illegible] नैर्मत्य ॥ ॥	[illegible] दानीश्वर [illegible] हेत्वीनिवः ॥ ॥	अग्नेय [illegible] क्रा कालस पूर्व [illegible] त्वोनिव ॥
[illegible]	[illegible] आदि [illegible] [illegible] ॥	थ्य चक्र कालस पूर्वन गोपज्ञ ॥	दक्षिणत [illegible] पती : पकम [illegible] [illegible] नीव ॥
[illegible]	[illegible] नीव ॥ ॥	पश्चिमस्य अग्न्यादिका [illegible] चौनिव ॥	नैऋत्यस [illegible] [illegible] क्रम पोनीव ॥

[illegible] आदि [illegible] पूजन [illegible] ॥	[illegible] पूर्व [illegible] देवता [illegible] पूजा काल ॥ ॥	अग्नेय कोण [illegible] देवता [illegible] पूजादि [illegible]
[illegible] देवता [illegible] आदि [illegible]		पश्चिमवायु [illegible] कात [illegible] देवता : [illegible] पूजा [illegible] ॥
वायव्य देवता : [illegible] पूजा [illegible] काल ॥	पश्चिम [illegible] काल ॥	नैऋत्य [illegible] देवता चतुर्थि [illegible] पूजा [illegible] ॥

[illegible] चक्र [illegible] चक्रे : [illegible]
[illegible] चक्रे [illegible] [illegible] [illegible] थथ [illegible] काद्य [illegible] तीता

॥ पंचाहः पक्ष ॥ १ पंच ८॥

२	७	४	२
२	[illegible]	३	९
५	६	८	४

[illegible] ॥ [illegible]
मकू थी था प
[illegible] गान वन्या
[illegible] भा त्य प थ
थर गुरो ॥

३
५
३
५
९
८

[illegible] आमगुपप ॥
पुत्र भात या धायु ॥
कि [illegible] आसीत ॥
वनहं कति [illegible] ॥
ति ति भा इव ॥
अद्ददाभु दुद्व ॥
याधि भवदुव ॥
वत्यानेलागं दुव ॥
वस्था [illegible] गुपव ॥

सी	श्र	नौ
ग	०	६
की	च	अ

कमा [illegible] चानको
थार्थि वकेगमन
वाय ॥ [illegible] थथे

ग	श्र	द
च	अ	आ
क	त	ट

[illegible] जनगुनिधाय ॥
[illegible] धाय ॥ [illegible] च
[illegible] धाय ॥ [illegible]
ए ई कल [illegible] धाय ॥ श्रभम ॥

कोसा [illegible] पोचा
त्र को [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥

ग
नी
द
अ
प
ग
सी
की

वत्याप्यसित्वी ॥
वीटीभयदयुद ॥
वाया भयदयुत ॥
अग्गीभयदयुद ॥
वनकाप्यसिद्धि ॥
धनगभद्दुन ॥
वनाकाप्यकदद ॥
अदिकडहायभकं

आ चन सजुयु २ आ धन आजु [illegible]	मि सा न भ रे ता न य आ १	आ धन नास जुयु ११ धनवत जुयु ११	च धन रा भ ३ च कर [illegible] ती २	थ म म त २ च जुयु १	च धन नास जुयु १२ धन [illegible] ११
आकीजान दत नदयु ४	[illegible] देला वेला तयु व ना फल	[illegible] आ १० [illegible]	च कालतन पुदब पतिजयु ४	१ चन्द्र वेला तयुव पाफल	आश्चलतयुव १०
[illegible] जुयु [illegible] व [illegible]	मतिन नेक [illegible] यु आ	[illegible] पापि व जुयु आ [illegible]	पुत्र वविपेयजु यु थमम जुयु च	नथ नेद युव च	[illegible] आयक्कोद थम [illegible] च
[illegible] जुयु [illegible]	नाम [illegible] थमम लो आ [illegible] का केदयु १	[illegible] जुयु १० [illegible]	यु धनवतजु आदन [illegible]	युकवव [illegible] तयुव १	धन नास जुयु १२ १० [illegible]
[illegible] जुयु ४	भीमा वेला तयु व ना फल	[illegible] जुयु १०	यु धनव [illegible] जुयुव	चवेला तयुव पा फल	यु धनवतजुयु १०
[illegible] धाक [illegible]	आ १ धनजा [illegible] काय ती [illegible]	८ अपापियु [illegible] ८	जयुत्व दयुव ५ [illegible] दयुव	१ यु धन पुत्र लाभ यु युव	८ [illegible] [illegible] जयु

[illegible] जुयु २ [illegible]	काय म वाज को दयु भाग्य दयु १	धन नास १ जुयु धनम ११ ने फयु	पुत्रव प्रीतीज [illegible] २ [illegible] ३	धनवतयी आ तयु कवजु यु १	[illegible] जुयु यु १२ ११ युव
[illegible] पतन्दि य के कयु ७	[illegible] वेला तयु व पा फल	[illegible] पतदियु १०	धनव तयुव तजयुव ४	[illegible] वेला तयु पा फल	[illegible]
[illegible] जुयु [illegible]	भाग्य जुयु १	धनवतजु थमम [illegible] यु	काय आदि क दत्र [illegible]	वो पतजुयु का लातव वायुव	[illegible] धनवत जुयु थम ६
[illegible] जुयु धनवत २	थमम [illegible] पफ [illegible]	[illegible] प्रीती जुयु १२ पाप [illegible]	[illegible] जुयु २	वी धपाजुयु १	[illegible] जुयु १२ [illegible]
[illegible] जुयु [illegible]	[illegible] वेलात [illegible]	पाप कर्म पायु यु १०	कीजानंदा [illegible] दयु ४	[illegible] पीपिड़ा	प्रतिक्रनाजुयुव १०
[illegible]	य [illegible] तजुयुव १	[illegible] जुयुव [illegible]	काय म चा [illegible] थक जुयु	कालतन पुदब बोयु १	अत नजुयुव [illegible] ८ [illegible]

११

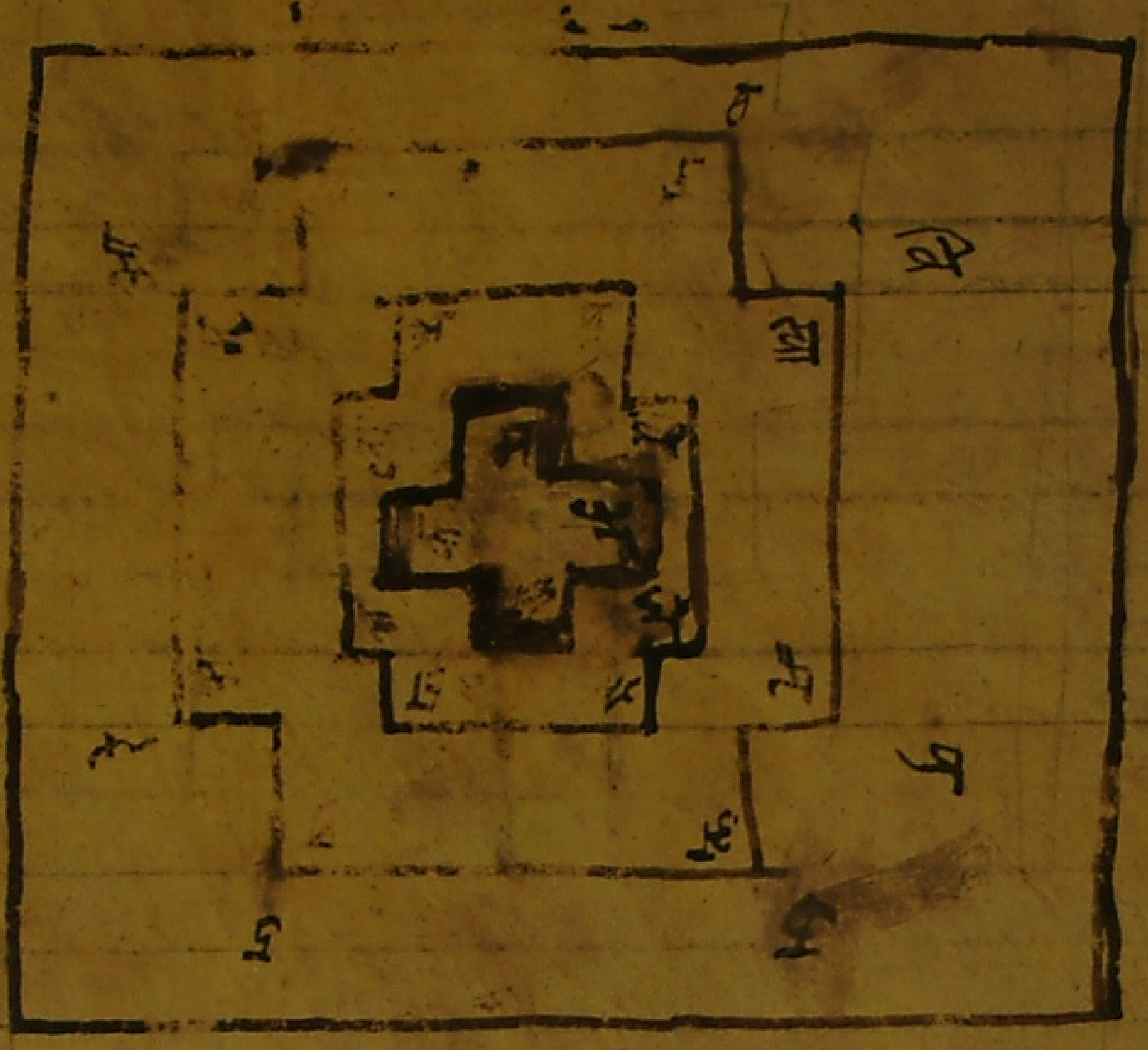

१ अनि दछिः समुद्र स्यः छ दछि कुक्ष नेविया कौंची दछि क्षा पार्नंचः नाछि वी
छिचपर्वता ; मेघ स कास्ती या वागा पुः सोय चक्रः नदत्र ख या व स्वय
समुद्र सं चो को नक्षत्र कुकुः नव छा न गा पु या त स चो को न क्षत्र कुकुमि
नके गायुवे ॥ थ्वन पिधुत या ज्व मुनु को द पुवः पर्वत स चो का नं दत्र कु
कु वा मजए १ हनो योग या बन्हा य ॥ द्वादसि आदित्य वारः प्रकादसि सो
मवार ॥ दसमि अंगा वार ॥ अष्टमि बुध वार ॥ सप्तमि सनी श्च वार ॥ थ्वत्य
दग्धतीथि धाय धुका पर्या य मत्यवः मीनः नव थ्यः नासनु पुव ॥ ७ ॥
१ मेष राशिः सिंह राशि धनराशि थाः न्यएतिजु जनवः पश्चिम सव नेमतेव ॥ ७ ॥ १ मीथुन राशि
तुला राशि कुंभ राशिः थाते रा तिजुर जनव पूर्व सव नेमनेव ॥ ७ ॥
१ वृष राशि कन्या राशिः मकर राशि थोते रा तिजु जनवः उत्तर व नेमनेव ॥ ७ ॥ ६

१कर्कतोसमी जिकालेमि: मिनलेति: थोनेलेगि जुनजावदहिनदिसासवनेमती ॥७॥
भादवावायावेला धती १५ वीधती २० फलस्य धति १८ वीर्यो ४५
थोनेनस्राशुभवेला : १ वृषवायावेला धती ७ विधती ३५ फलस्य धती ११
विधती १५ थोनजनस्राशुभवेला ॥ ❀ ॥ अगवायावेला धति १८ वीधति
४५ फलधती ११ वीधती ३० थोन्पनस्राशुभवेला ॥ ❀ ॥ ॥
रहेपतियावेला धती २२ वीधती ३० फलस्यधती १५ थोन्पस्राशुभवेला ॥
शुक्रवायेता: धाति ॥ वीधति १५ फलस्यधति १५ विधती १० थोन्पानस्राशुभवेला ❀
१ शनिश्चरवायेला धति ३ विधति ४५ फलधती २५ विधति १५ थोनानस्राशुभवेला ॥
॥ अथकाकलक्षन ॥ कोवहा ... थथेकाग्रहा वनवेलास शुपतहप्रकाया
... यहि भागका ... दलअंग भागहेचोडगुयागनवृहा
प्रअंगहृनीअंग वअंग पेअंग डाअंग षुअंग थोनेयागनयावृहाय ॥ ॥
पकायाकीमनभावयः दुतियधनलभवय त्रीतियकलहः कलावत चतुर्थमे
त्रेधनक्षयः पंचमश्रीयोरीभंधति कलहथा यनस्यका घटाक्षन हस अंगुम
दुसागणरु ॥ ॥ अथकाकपरिक्षा ॥ दागवचन ॥ काकवचन मुनिय : ना
पऊछ्या पानेहजोतिमलकतृपाया: छेप्रधाप्रहीप्रभाग: सेषजोहि
यकहिस काक ॥ यकायकलमदेषाव ॥ दिजोहितथ्या: पादुनआवय्र:नि
जेकाहदेषावः चौथेसनदेवाद: पंचमक्षन दितीय आवय: छकाछका:
कएवय: अपमानायसमाचाला: थोयास्वयथथे: थवकिपा थवपाटिमदाप
हिस्वपटादाय: थ्यायो दको पागुन ... लोगुहासागन दुतीफल : इती
काकपरिक्षा ॥ ॥ अथस्वालपरिक्षा ॥ रविवोटेकहोविन्याल: कुटहोहो
पुएजस्वाहरु: सोमवोटेसमथान ... वदोषगथ्व मसान: मंगलवोटे मंगल
चाल: बुधवोटे सुभवान आवस: वृहस्पती वोटे सुभर्मगल चाल: सुक्रवोटे
वादीहोई: शनिश्चरवोटे मार मटा धावयकी एजामटोकी पादेसिमटे ॥ ॥
इतिस्वालपरिक्षासमाप्तं ॥ ❀ ❀

कानवुतासि यथ थ्या नामआगत पानथतमाः ववस: पान म थलनजवतः वुलड्गन
मी कानजूतमा थथे मियजुल ॥ दिनपाथ्वनीभ्यय थवएह थन ह्माएन नियछ श्री
गतिभुपरदाय थ्वाढि मात मी तोयोमात मी गुलि मात डाटी कि कव दाय के: थ्व
कीयाः नदाको अंग लित्याव याय वाहिकु छल मा छु ठिजाए थ्वकासि वाहि ट्जुल
मा: थुटिमाने: नी भावी य[illegible]की सियः अंगटीनं दायः ग्वअंग दातव अंगटि थ्वसि
अंगहिन थ्वङाढि थ्वडाढि न्याक चयजुल ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

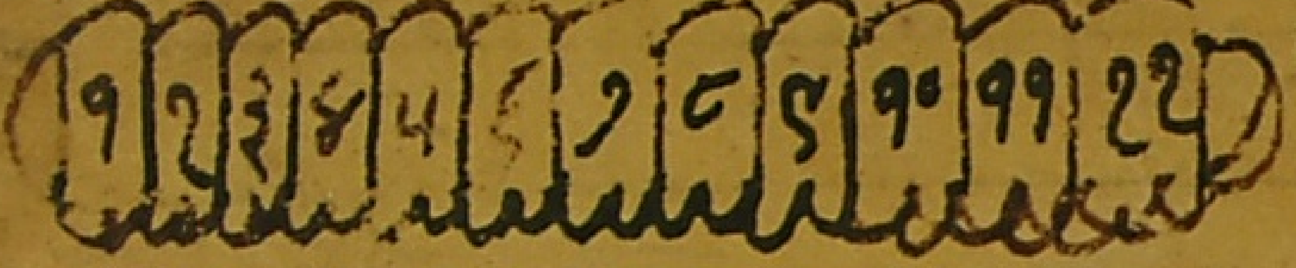

१	२	३	४
५	६	७	८
९	१०	११	१२

[illegible]

अनतोह्वं चण्डीकाय ॥ चण्डी म थन ह्वाय थ्वपश थथे: ह्विनिस्पमल नासितन्चा

थ्वोयः थोकिमजाकी पुचलत यहिमनि पुचलनयः वलमः ग्वह्मस्पनं क्रमाती
मचाथनी यकावस्पयः चाण्डीजीतय जुवश अ थ्याकुलमा भिंङ ईत्पयाजीत जुवश
जुटमभिंङ दुतवाके जुटमाभिंङमषु मभिंङमषु थोत्प चण्डी[illegible]य थ्वय थथे ॥ ॥
एवथीभ मुवर्ष्षेवदछिनयु वर्षनः पाढि मोत क दोगभ्व सयन चयथाक्रम ॥ दिनेयाकुन
यश: पुर्वकुमत रमा ॥ भदई छपदई दछिकुम एन कदेनमा ॥ आयुवर्द्धयजुयु: पर्व्वीम
एतकें देन मा रोगदयुव: उत्तकुम एतकें देनमा अयुघातयजुयु रोगदयुः थोत्प देनेगया
दिगवीचाए थ्वयश ॥ १ देवयः केचङ नागवासुकी ॥ स्तेयोङ नाग अष्ट ॥ थुतीवपिम:
कुमिल ॥ कर्मनायभोमः तक्षक: नदिमथ्वलम. मंथपाट ॥ पुथुटिय[illegible] ॥ दहलकक तम
पर्वतम माहपर्म ॥ थोत्पगेनाया दोषमियः थायया नदोषमिया ॥ ॥ नागयाएजा
वहन नागछिगयाएजा ॥ मकरस्पा: नागयाएजा: वासुकी ॥ ॥ वाएनि हमिढु: थ्व
पनक्षत्र थाय नामनं ति थीवी वस्वयत आयु कएनं मी यमा वहत: यागा वुधि काए
थ्या तथ्वन्दु: मोभाग्य काएके: अंमावा प्रदा: त्यमाथ्र यत्नेचादिने दिने ॥ माल पाजिका
थथचोङ ॥ ❀ — —

थोत्यनन नवनाग ॥ अस्पूर्व वायु कीः अग्नीः तक्षकः दषीनः ककौतकः नैर्हितपःलमः
पछिमपः मोहापहलः वाई वेसः मै चमालउतर न कालिकः ईसान सव वुहन थातेनवनाग ॥ ॥
ॐ नमो आय जनाथाय ॥ कीर्तिकाएग प्पकु नोएजपु ॥ अग्नी देवतामदोष ॥ थाटि छाप्य
वलिहोले ॥१॥ ति प टेयः ब्रह्मामदोष नै सोनमाला छाप्यवलिहोटो छोत्यन न प्य रु
॥२॥ मृ ॥८॥ दः सोम देवनमदोषनैः आतनै छाप्यवलिहोलेः ञ्छे ॥३॥ आ १०॥
टेयः रुद्रदेवता मदोषनैः ६६ छायवलिहोले ॥ पुतएयआदित्य मदोषनै नस्वाकस्वानछा
स्यवलिहोले ॥४॥ पु प वृहस्पती मदोषनैः नस्वाकस्वान छाप्य वलिहोले ॥ ५ ॥
सोर्ष वेदन चौकीत्ता नैम फो ८ः मप्यदेवता मदोषन ॥७॥ मः ८ः एया पन्त देव
तामदोषनैः पाएङआ छाप्य वलिहोले ॥८॥ पु पः टेय भाग्य देवतामदोषनः नस्वाक
स्वान माला छाप्यवलिहोले ॥९॥ उटेप विदेसन प्रमन्नयाफल अमदेवतामदोष
न ॥१०॥ ह प टेयः सवितादेवदोषनैः नस्वाकस्वान छाप्यवलिहोले ॥११॥ ची ८॥

टेयईसदेवतासनैवलिहोले चेतनै छाप्यवलिहोले ॥१२ स्वा ३प टेय वायुदेवता
मदोषनः छानमालाछाप्यवलिहोले ॥१३ वी २१ टेय नवचोतञ्पु ईन्द्रापतिपु
न्न मदोषन लायमालान छाप्यवलिहोले ॥१४ अ १५ टेयः मित्रदेवतामदोष
न वलिचेतनै छाप्यवलिहोले ॥१५॥ जः टेय ईन्द्रदेवपसनै वलिहोले थोत्यन प्य
रु ॥१६॥ मु ३१ टेय नैरृत्यदेवतामनै वलिहोले ॥१७॥ पुः च्या लातोनन्यपु आप
देवतामदोषनै आवलिहोले ॥१८॥ उत्त टेय विस्वदेवतामदोषन दीजानवलिहोले ॥१९॥
भः ष एलो कुकु दे १ नव क्रे मजपु विस्नदेवता मतैनै साको स्वान माला छाप्य वलिहो
ले ॥२०॥ धः मामः ३१ वायु देवता मदोष नथेर सावः स्वान माला छाप्य वलि
होलेः ॥२१॥ स १३ हुः टेय वरुनदेवता मदोषनः छिटआ छाप्यवलिहोले ॥२२॥
अथ स्थाप्येटिआनैयाः यका ॥१०॥ गती ः धि
सः दाः यः नी

... वे पूर्व: भ... पुः पाः अग्नी: यम ल्ड ना: अनुभमती ॥ ... दर्शी: दुलो दृष्ट मध्ये
... दि ... मःपु: डआ: पश्चीः वायु वेम ल्डना ... भिङ
... धाः अ... अनुः भ्रमि डआ: मह द्रुः ... ॥ शुभमिङ
आः अ... पुवाः ... ५ आः वारुनी: मल्ड ना ॥ अशुभ ॥ ईनदा नयामल्ड फल ॥
... दिनयामल्ड वायुदेमल्ड ॥ अशुभ: मभि १ रात्री ययामल्ड:
... हृ ॥ वारुनी मल्ड ॥ शुभ भिङ १ दृष्टहृ ॥ माहेल्ड: मल्ड शुभ: १ नमोश्री तिथिर्पय व्यञ्जने
... ल्ड ॥ अशुभ नभि १
... ॥ माहे... ल्ड ॥ शुभमामे ... चारुनी मल्ड: शुभ
... ॥ ... मल्ड ॥ अशुभय
... ५ ... : हृदुः ... मनिवि
... ... आदित्यः ... ॥ ... : ... सर्व
... ... ॥ ... धो ...
... ॥ ... सर्व
... ॥ ० ॥

मागती अग्न... देव ... व्यवाद प्याथ ... पट: ... थोती ... पुर्वीनी थि पक्का ... पञ्ज

... आमका प्र के ... या थ ... या ... वो सद्धि को ... घाटि ... थ थे ॥ ॥

ॐ नमो स्वर्म सूर्याय नमो ॥ ... प्रथम ... पिदा: ... क क दुतिय
चोनेना स्य ... पो: ... नो ग ... निपहल ... सा: ... स्वपहल ...
मा वा ... पेपहा ... सा ... ॥ ॥ ... भाग्य भवे: अथ भाग्य
दली दता: मध्येभाग्यु: भवेमि: कथंचाय पनिका: थो ति लोकया अर्थ: नगमाथ
ध्याय यानु: थ अर्थ ... के मा ... गन का थि व हा ... थो ... ॥ ॥ श्री गने
साहायनमो ॥ मे ... नः ... बच्या: ... गनः ... कामिनी: मिथुना ... गन शुभ
जाच: कर्कत भवे ति क ... सिंह ... कन्या ... तुलभोगि:
वृश्ची ... प्रचीता: धने ... धनियन: मकर ... कुंभे अले: प ... मीन ...
चयुती यता ॥ इति स्वर्गवचनः ... गने वीचा ... समाप्त ॥ ॥
अथ जन्मकाय यावी चार ॥ ... क्षेत्र: जन जान वल क्ष के क्रिमि की दृष्ट ...
ना: या द्धि ... ॥ पचा ... मन क्ष ... चतु ... मानु वा व्रह्म योनि: म
नुजा: देवो ... ती ॥ ८४००००० ॥ थो त्प जन्मकायमान ... या ॥ ॥

ॐ नमोग नेमाह्यत ॥ नक्षत्रि मद दिन ॥ अश्वनी: वक्त्रएभाय: मर्निद वहाणी: हक्कि काव द
ऐन्य ग्नी: रोहिनि अर्थ सम्पर्द ॥ मगपच मृगशिका मर्क्ष: आद्रान वियोजीनी ॥ पुनर्वसु पुनेए
भाग ॥ हर्षे लभाध साध्वनी ॥ अस्लेषा हल्पचोल मघायाः मनुमादि मेत ॥ पुर्व फाल्गुनीय
दतिना । उत्तर फल्गु चलता: हस्तच कुरक स्वाति: चित्र श्रवी नीतीना ॥ स्वातिमे षानभोज्य: च:
विसा षाप्रिय दुर्लभ: अनुराधा: वनएभाय: ज्येष्ठ वस्त्र विनामूर्न ॥ मुलनक्रे ममा पाति ॥ पुर्वा
षा ध्याहज्यो भवेत ॥ उत्तरा सामान्य लोके षु: श्रवन नेत्र दिलेखना ॥ धनी ष्ठा च्यन आयुश्री:
सतभिषा भि बभय ॥ पुर्व भद्र पदागा पः उत्तरपेहु: वस्त्र दा: रेवती: स्नेहएभाय: यतव स्त्र
तक्षन शुभ भक्त समर्द दा ॥ शोती नक्षत्रस्य वस्त्र नयुन्य नेवती चा एयाये मार्ग्ग ऐश्वर्य ॥ ० ॥
अथ काकपरिक्षा ॥ तथा … तथा षोड्ष तोजन चतर्थेषच ॥ पचनमनं चैवषदेत्य: काकल
क्ष ॥ भाग जं स: पुः प: नभाग स्याय: १ … काला म फल: २: ठेने मा … ३ … म हर्ष ४ ठेने
… भा … कहः: ५ … अथ … ठेऊ लाभ नु फल ॥ थोत … अकाल, लाभ्यय ॥
केन … जवेशृ हयव, … दुः … न्याद: तो कथुरे दुः मथुस्व … दुः थाकि मम्रय

होय: ऐ: चोड्ष पाक लड्लो: थोतीन सि पञ्च ॥ हा ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ॥

१	२	३
१	२	४
५	७	२

थोडषवाकल: प्यानमड्सा: कौकावतय: अथवा: भोजपत्र मड्सा कुंकु
म थाया नपाक्षालिड भूत: पेतःपिसाच: वाएनह: दोषदको पापि ॥ ॐ हुं हुं वा
गमल्याहा ॥ प्वाक दोट द्विती दोर्द्वि: प्रथ मनसे अट पायमा ॥ मलजातिन: लाए
टल्पाक: द १ द९: नाना व्याधि लामेल पाभय: द १८ मोलल्पाक: चौर भय: माहा
व्याधि: घात ल्पाक: द: २० सम्रु: घ्यातक द: ३० चौल घातक: द ४० नेत्ररोग: ल्याप काल द:
५० अतिसार: कर्नरोग: थतिनमनु: भेद: ६५: थुती भ्रमाटे केपान: अर्नीकर्म पापुत्रभव द
येकं वलिय, … सत्रिदान कल्पदान्दीय: प्यार्यवान पुजापाय: ढुढ्ढ चेन अक्षत होमपाच
केन्याकुती … पुजापाय: म्वला छाय: थुतीन आकालमनुन्मामजुय: प्रमायु द १००
म्या … कर्नाकर्माप्यरोहिनीनक्ष: थोकुकु म नुजल पञ्चयु ॥ ॥ रोहिनी नक्षा
त्रया आदित नलिखेः चन्दु नभु हजन: अंगालनमनु: बुधनुपकी: वृहस्पतीन अकाल
मनु शुक्र नक लाभ: इती श्री चलनलाभफल न्पूर्वताल: प्रजापती देवता: सीवुला
वाहन: मनु शुभात: नागलतो: श्यमवर्नपुफव: पीतवर्न पुर्व द्वा टे: छत्र शन: दय रोहि

मर्व·न दे·ता : नेन छ्योनान : वचन त्वय्यचयापु : प्रसादिक : [illegible] : सियाम भाजि : छिव्यौ
मे : बहुमित्र : वहुछव : मेवत् मेते : न्याङ्ग्रुछुस्दयु : ल्याःमे पे : मेबिप्या जन मदये : मा
[illegible] छ्व : दय : पुजीतय मा : कोमह : [illegible]नाट : मामत्र छ : वचन : ल्याम : तमचाय : पयुः थ
[illegible]भाव ॥ तीर्थ थानगा ट्पोतम : देदेवा : ल्यातल : नगनस : प्याथस : गहेस : नेव मेल
मोग्रपरिक्षा : दुम : [illegible] : दर्वय : थे तंदेस दर्व होनी : कताल : लाभ : काय मोचा : नायको
बर्न्नैथन आदि मोभे [illegible] ॥ आहाट चोमा : प्रकार मनु : बर्ती होने व्यादि : मम पातन : क्षु
[illegible] : मा[illegible] योने थाकु : छुनयाय फवु : दे पन्हमन्त दे था : दे २० मीग्याम व्याट : मनु
स्री : आका[illegible] नामेमा : म्या[illegible] नेवपुत्र पः थ्वतिन मनु बर्द ३० वर्ष त्वान्याव मनुष : थ्वति
[illegible] २० [illegible] : गुरु वलब्व दान वीय : दुदुर्व भाम
[illegible] पुजा याय : [illegible] पुजा
[illegible] ल्याप जियो [illegible] : अमाट
[illegible] : मनु दिन [illegible] नामहतो

छ्कठाने पिब्रिदय : वन्द्र मणि : मनुष : थोया आहाट थन व्यान मर्ब तोटे : पराहा न्हा
स व्याङ्ग पफ : प्रकार नक्षत्र २ पुष्य मूत्र २ बहस्पति वाद २ मीन लग्न वाद ३ थ्वति
वेलास छव मोचा तोहितेः यत्न धर्म ता : वल व न्वाहिजाट : [illegible] वाद [illegible] : मा सपास
त्र लपु : स्ते पचन पी[illegible] : स्वयम याय : भागीजइ प्रसादिकद : बहुमान्न काएतप्प
स्तदयु थमस्थो यन मदो देवपुजा : स्लाव अतिथि मोने याक : धर्मकार्जे मय थि टवी
ट थ्वति स्वाभाय ॥ तीर्थ थानगी वट त्वान : गस : अध्याम ॥ थव देमस द्व वे हानी
छकषो गस्त ला : [illegible] मो भाव तम शिशिर होने डाव : नयास्वयाजय फव गाडन
प गुष्चि : भ मवक्को ध्यन मप्सु : तवसाट जय फव : थ्वति [illegible] भाव : आहाट छुदुथ
टि [illegible] यव ॥ मो वृडो याव डोपार्थकी : पर्वत स्डो पार्थकी : थोनी स्वप्न ॥ पका
ट दे क्षिप्याक मनु व मुप याल न मनु वर्द अतिमाल न मनु व दे ५० पट देलग
मन याले मनुष वर्दै ५५ मनुप्रकार मनुष : मजुकेया ५ पाय : मधु लागनी जज याय
आगमपुजा याय : पीथा श्राध याय : कलकुतो स्पातनवी य थाठिकर्म याय पट

माघ्र थेन हंवद ६१ म्यान्याव थिमगपा: इताभाध नक्षत्र लोमबाट थो कुकुम
तु ५ आद्रा नक्षत्र: द्यिलिं: आदित्य मभिं ७ मतुर्षे यकताल अंगाट अभि देवता
वासित्र गोन पीय न्यत्वा तिमन्मु कुत्र सर्प्पआस नसत्रु ब्य आन म्यान मत्वा ताघुज्या पर
वर्न बुध क्षत्र मा मामा भित्पजयत घसय म्पानी सीरलो भाव मिङु सजुको सिय: यफव
स्वयतु ययाघु विषुकोदि अएलि हपनडुर्जोन अभि: सेवक विथ्यासय वालघसडु:
उयकवघुदूष गुन्तमा मेस्व मो वाक्ष नायु: थ्वतिस्व भाव ॥ती दथान गप्थो नल
घाट तीचन तिसज लैग्र कामी ॥ लोपु पाटि ध्या: सममानमः कुमहितीमें: नानातीका
ला: ११ आहाट समलिप्द: सेवया भतन यमेत्रं मडो ॥ अकाल मतुद: ५ मोल म्याक
भय: क्री भय मतु बेंद ६ ग्रीन हाय भयदु ॥ मीसा आदिन चोंच्चि नको तीन वायु
भयदें १० ध्यात्रोपान: मतुबेंद २५ दोनचोय भय: दपुभयदें ३८ नाना सत्वन
धाटमतु: चीलनीपात द ५० सर्नीग स्याकआदिन्याल्नन मृतु में ॥ पोत्वा आका

स्मतुमु म्वाटयान जागत पुजा: जगपाघाजैन्पथाय: सीन पुजा: धार्त पाथ पुजा पर
य बल्याच: थुतीनीमाती पा माघु: पोलत पुह्रिहि: पुनबसुनक्षत्र: थो कुकु मतु
:६ पुनव सुन क्षत्रयपा: नामजात कपा: सतिथ्वरलिं वस्पातिनजीताट: बुध दव ना.प
रेजाहुन देवजात: माजाटलत्य: मनिगलिपद २ ककित एली पाद २ थो वेन जात
उव मोन्याता पीचीत स्व य: पयाघु वीक्रासयु: दवैपाटिपुर्न दुताट थिनजाति: चे
ननाघु स्व भाव: द्याट स र्य:प्र लोदिक: ६ पाथुल: श्रीतवा देसघु: नामजातक द
पु: देव गृह ध्यामवधु: भन्तीजघु: एउीक सति यक ज्ञयुवाटकल दु: बिएहत लया
सर्तबदघु: ली २ काय: थनि साभाव तीन कथान: प्य थ सतु तीन: गा मती
रचीहु ॥ सपटपोटि ध्या देवता आएथन वस्त्र नाना: आही काट तवमाटि: थुती
त्वप्र ॥ आहा दुदु कनी यज ॥ ऐराब्यातु वात परीदद: १: प्यता एयन: मतु बेंद २:
पैसर्प्प चोचीन कातीनी भवदें: ५: मी माट कोती नीव भाय दें १५ लय पोभ
र्मी मतु बेंद २० मतु धातक मतु बेंद २८ अति माट मतु बेंद ३८ ओल

[illegible]

लोगदे ५५ : मानि पात द ६ई आद अती लाल : थोती भ क्या ल म ग पुष्या लके यात
मीति कर्म : चैन्च ८ दा पा थ याके : फलकु तो चैत्य पुजा मीनि पुजा : आगम पुजा :
अग्नी पुजा बल्या चन पुजा : क्षत्र पाल पुजा : स्वच्छ ग थु थन पल्साया दु ६ ९ स्या
ङ पो लए थक यात मनीः श्वल बाट मजु दिन ॥ ७ ॥ पुष्य नक्षत्र यात मनी श्वा लि
द स्पुतीय मजु चीताल : सेपुर्न कलश दा हन देवआत गज मती : ककीत एली पाः
द : थोत दिन सिआत ज न मोचा तो · पीत नील वर्न : व्याधि यक : स्वपतु प या गुः
याङ २ थ्यान स्व भा : एक आय ल लयु : धर्म लयुः बज लि : दाना टः स्वभाव ची
ता सिद्ध को धि : तमता मलेव : अभि मानी : को मट या के बट : अ लत्य हा मयव :
धाटी : बोट आया : माहट : बी थाय : बन्धु यको : पति आ लन : संपती दयुः मीभा
प्याः बकु पुत्र : पुहुष ज टला लो भा दः कुलभ सजु यत्व फव थोती स्वभाद ॥ ती
लथान थ्या टमः कलः देदे मः हल : थुती माति ८ दयु ॥ स्वप्नपाटे प्या : अग्नीक

र्म पर्व सिओ पाथ्य ॥ नाना दर्व थुती स्वप्न ॥ आकाश मजु माहि ले : आहा ट : बायु
पाह दुड : थ्याटि पचाः थुती आहाट ॥ धातुकातु दे १ मी बा स्याक : आती साट द २ :
ओट दुधदे १० सर्प भय : नाग भय : प्रेत एप : मजु बैदे २० दिंगार्ह : आविचा
ट भय : एष्ट थाजन मजु बदे २४ खाहाडोदे ५५ ती थगजन सुमृतु वैः थती
पकाटन मजु टिहा यके यात होम दो यके : व्याहुल होताची यदेव पुजा दान क
र्म : नमा कद बन चैत्य पुजा : मी व पुजा : व होने थव सेटिट स्मान्यव : दान वीय
थोतीन पटमा युदे २७ थ्याङव याव पो हाए गर दः पुर्व भा थः न क्षत्र : व स्पतीवा :
थो मकु मजु दिनन ॥ ८ ॥ अश्लेष नक्षत्र या नाम्या आत कया : को मवा हन : एक्ष
सआन : व स्पती अभि : स प्रमाल थुक देवता लोयु : हाकुडन पुर्व दाट : चन्द्रन क्ष
त्र मीलियु : मी आइयान्यु : धर्म लस न हाना यु स्याभा व : मूनी मटि तिन यु : सस यु
व मुनी याके जो यु : का तल ३ वकु पुत्र : स्या पुर्मी जयु : अती लोभि : चेतचै चल : अभि
मान : मफा ल प्याटि : अ लता : बी प्रकाधि : दिद्र बचन : थुती स्वभाद ॥ तरिल था

नक्षत्र: गौदेवता: मृगशिरानक्षत्रचीठ्ठ ॥ स्वप्न अज्ञोर मतमा त्मः सर्पतान मसाथुती
॥ आद्रा: मृ: दक्षिणाक्रम: थ्यान्तवात पीत ऐगदं १ भूयपातन: कुचीय पंः म
तु अंदं ११ भाद्राव्याधि: भृत्रभय दं २५ : सिर्पभज नाना भयदं ३० चोचीन को
तिनी वभय दं ३२ सानन्ता भय: समक्षभदं ४५ एजदंद मत्रु भय: अ: भिन्यालभ
य: धनतीप्रकालन: भृतमृत्याके पात: देवमुनी फट दयके: धर्मतार: चोज्याज्ञा
नके लिव भ यपाय: बल्यायन: सान्ती स्वस्तिक पाय: अग्नी पुजादान वी ध
पोतीन अकाल मनुनात: पाआ मदं ८० भ्या डाव निए थो कछकबा: कुकुम
गुदिन ॥ ९ ॥ मघान क्षत्र: पैचताल: सित्रिदेवता: मेलकाहन: एदाल आत मु
पुषर्क: हाकंव हु सर्व स्पुमादिक: तेज्ञवन: थम थे थम्भ आशिताबु: कल्हू
मान्वयाधुन्नंगु आश्री: तारकाल दक्षं ताथ्यै भ्यान एभु स्नान विंजा: थिन
...: कुमात कुल ॥ ...त्रफाल्गुनी: देवता: कहनाधर: अग्नि... मा काय: के

...: अयनमत्त्य: भृतिस्वभाव: ॥ नीः थान घाता: गतपोत मु: राहात
म ॥ सितः नान्द ही कालन लानिव ॥ थ्यात वात पीत्र तृद्दि: यकार: दं २ वैन
र्याकच्चि: गत्र पोत ऐग दं ५ नानाव्याधि: थ्यात ऐय दं ६ : ५० भुल्ल पीथी गम
न पुनीव: दं २५ तीग्राम भय जौ ... भय दं २० दं ३० सर्व भय: धनती प्रकाल मृ
त्युके पात: वै ... थाजन पा यहित थाप नापायः पैचक्ष पाथ पाचेके
जागनपुजा: अन्न पुजा: दान वीय: बल्यायन सर्व ऐग सान्ति पामायु: माघ
मास्य कृष्ण पक्ष: सनी श्चर वार: मनुदिन ॥ १० ॥ पूर्वफाल्गुनी: नक्षत्र पाल्हू: दे
वता: ... कवाह: मनु धड्गात: सींह सितो पाण्डिकत: स्वभाव: भाजीव पं तेजव
त: ... हाल: भागी थीत मत्रि: थीत वचन: दानपुदे थाय लन: गीतवादं सा
पूज्ञा ... मीसा भीड: देवकुल: का धि वीन: हा कल्याण: थीत द्रव्य: मंत्र पनी
र्याकल्यान धानु: धोनवत्र: समल्व कार्य विनी धनमाल: मुथान लाक: बनी जा
नकर्म नद ...: धनी तोधाभ: तिलदीन: गठपोत मः प्याथम: जल दुदोल ड्याथ त

टेम सोयु पाटि प्या: देवता पुजा तें यस: होता थ्व ॥ आहार: ए: डा: चि: पा: कवाय: थ्‍व
ति नय एडु: थातुयात लो कची न्ह्या: वा म्यक क्रु: सपो तस्याक: मीयास्याक: अकाल मत्यु
दे ३ मारा व्याधि दे १२ अतिसार अ य लामे मनचोप दे १५ समन थ्यात दे २५ सीमानि
काति नीवृ भय: तीनीवृ अ य: तान्तिया नीमितीन माहाभ यद २८ कामजोल दे ३८ अ
तिसार: थोने भय मुम्याल के पात: देद्य के: केवद य के: देव थापन: हृस्कुती: पोथ या
यके: नीवपुजा: वल्याचन दे ॥ ८१ ॥ म्याडग वचग एय पादो स्वाति नक्षत्र: आदित्यवार: श्री
कृपा ५ ड य बेलास मत्यु दिनजुयु ॥ ११ ॥ ५त्र फाल्गुनी नक्षत्र या: दिताल लुक देवता केतु देव
ता: सिंहवाहन: मत्यु थ्वजात स्वसत्व: आदित्य कर्म ॥ १ ॥ कुथ अत्र कर्म ॥ ३ ॥ तेजोमूर्ती
जात: तास्त्रायु: पुष्पादिक स्वयत: सतायायु: मनलस उनन प्रीती थ्यनु मूल: लव: लर्डा कर्म
ज्यायु मी: मित्रा लो भाव: उयु म्याल उय फलु पवदेमम जाथ्याव ह्ले: चोह्न ॥ ३ ॥ सुप्प

स्कभक्ता धित वचन: थिन दर्व: मेघी लपु: तेजवन्त वी दानविधि तमसभि ॥ ॥ धुनीय भाव ॥
तिलचीहुकपाल न: ग ध्वतन: हस्त पाथ्य न: धुनीह ॥ आहार: सर्व आदि: तेजची न्ह्या: थातवा
तुपि नमभ: लाद्दिसद ॥ १ ॥ काद्दिप्लजार ग्रहपीडाए ॥ ७ ॥ दे ॥ ७ ॥ मानचोप भय दे ॥ २७ ॥
ओलदाल्ल चोनिम कातीनी वभय दे ॥ ३७ ॥ व्याधि दे ॥ ५७ ॥ समत्व थ्यातक कालतपानी सी
तिनडु कस्पायपु: थयाता न्त्री: चैत्य पुजा: होमकर्म पा यके ८ क्षाथा: थयाचके जा: वल्या
चन: अकालमत्यु नी वाल न परमाय दे ॥ ८७ ॥ म्याड वृ: थ्यासदात समस या: त्या थ्या वच थ्‍व
अकडाद: फाल्गुन मास्य कृष्णपक्ष नवमी: श्रवन: नक्षत्र: शनिश्चरवार एत्री समत्यु ॥ १२ ॥
हस्त नक्षत्र या: दीवताल: स्वाबिनि दिवता: डा मदेवता कीसिंवाहन: देवजन्त: स्वसत्व: हेहेथव
वृथुथ्यार: ५ पंक्ति अव मो चातः पविश जयु: तपु: लुन पुष्पादिक: सीतला आदि: उत्तरातें जाव
न्त्र: देवन्न त्रहन प्रीति: थकन ग्या डायु: धीर मज वथाके: प्री थ्या गोय: यव: सो भाव थि हहा
॥ ३ ॥ गुहम दे: लुयुत्र काय द यु: सीताल थाय ल्य: विस्वासिडयु: गीतवाद्य मुपे: ज्यान्याजु
दीत पान्या: काथ्यल: नन्का कालें लिथ्य यक फयु: अभिमान यडु: थाके वि: पर्मिजं धर्म

थनुसे भव:॥ तिटि थान:वाहान:कापाउ:गृहेस:वोपतस: देहेस : नुनीत:प्या:थस: थुनसंदं:
नु ॥ध्य प्रपटि व्यावनसनु या थ्यस:आकान मनु हाट ॥ १॥ दं ॥ १॥ कादिकुन दं ॥ ११ अनिर्ई कुसा
भय नु ॥ २५॥ मास ॥ २५ ॥ दं ॥ २५ ॥ अती माट व्याधि नु ॥ २१॥ न्याछु ससस्नु भय:[illegible]
पाडेसव: [illegible] ॥ ५७॥ दं ॥ ५२॥ थतीया [illegible]: येन्नमाल्य:दनमी: अंगवाट: थवाकु
मनुदिन ॥ १३॥ चीवन [illegible] या:नामजातकया: पकताट:कुमा जेयता: [illegible]
जात:व्याधु स त्वं:सकन [illegible] ॥ ३॥ कैन्यागति ॥ ३॥ पीदितडयु: [illegible]:वात थाविः
नर्तु भाव्यां: कायसन्ना थांकहेतार्थसदो: भेवयादेसत:जात: भागी: [illegible] दर्वदपुली
जातीडटसो: मी तो सो भाव: दर्वहानी: अनुक [illegible]: अल [illegible] तिनि नु ची
व: आमटमाय: दान दुंध्य डाकु: तवमन: वैवि नु सदनं: [illegible] वचनथि
ट:[illegible]व्यावापाक:ध्यपटसतायपु: थतीस्व भवं ॥ तीहि चीहि:जीवा अनु: नुस्पस:नगट
गृह: थतीचनु: सोपनपाटि क्षा::पादिहपदर्वहप:[illegible]नाना[illegible]दर्व थती ध्यपन ॥ आहा

[illegible]यव ॥ [illegible]: नातपन्ति: श्रेष्ठ अति साट: मीमा स्याव: मोट स्याक: अका[illegible]
मनु दं ॥ १॥ कदिटैरा: अतुस्याक:दा ॥ २॥ कीसफोत काविअती साट दं ॥ १५ सीमा
आदिसै चोट नकोती नाव सामे तन चोयु भय: दं ॥ ३३॥ सेंग्राम सभयु: पाकुटैगद
॥ ५०॥ थान भ मा: जोलदाध: थति मनु नु म्याटके पात डपायु: [illegible] भमिद पके: हि
ति: थीदपके: नाना मा सत्रु दान वीय: स्यान मा [illegible] काव माहादेव पुजा: स्य पुजा:
होमकर्म: जलडप: लकक्ष वैस्प थायु: दानविय: का[illegible]दानवीय: थतीनः दं ॥ २७॥ म्या
डा दु: वैसाक स क्र: अश्व य न क्षत्र आदित्यवाट: यावास दिन मनु [illegible] ॥ १४॥ स्वाती
नक्षत्र मा: जमदेवता: दुलिका हन देवजात: मोहिम सत्व: [illegible] हाकनती सथता
डु:पादीत नयु: स्य यस्वता या पु: घकादिक: वटवत्र वचन नहित [illegible] मड कर्म: मी
[illegible]स्यक: व्याधि दवु: पादे मास सुषि:दर्वफ पु: वपा भय: ति भार्या: मी माथ्य
नायु: सोभाव: चैचलचीत: कलह थिट: धुत कोधि [illegible]: दाताट: [illegible]: थनुती
स्वभाव ॥ तीन्ड्यी व्याट: [illegible] थती हु: ॥ स्यपन: नाना आर्लका ॥ आहाट माटभोज

नदः मलिलयाव्यातः वात: पनि: कुमसलिक: मी बास्याक: मोत स्याक: अनीसा: कुद्दि ठेग
अकाल मत्तु न्याकु: ङला: ङद: ब्याटवेच्चा: कथ ठेग: काक्षि ठेग: जकुआलो: द कयाथ
यकु ॥ २५ ॥ ८ ॥ २५ ॥ ६ ॥ २५ ॥ दुन्नेकोतिनीवः व मत्तु यकु ॥ ४५ ॥ ८ ॥ ४५ ॥ कया
थे यकु ॥ ३५ ॥ ८ ॥ ३५ ॥ लैग्यामस्यवां धाल भय: थलाते कफुलला: परमा कुद ॥ ८१ ॥
ग्या युः अथया द ॥ ३१ ॥ थो साडुगा यन्वें स याप हाट पुजा: दुवामाल जदयकाः वलि द युडा
वल्पा यन: थनीडुयन वैसा ककुह्य: नलमी अं गवाट: थो कुह्य मत्तु दिन ॥ १५ ॥ [illegible] यान
सया: कुलि वाहन ॥ टेडु सजात: ए युज्या: फकुनी ईश्वर भागीजयु: वादि कर्म: पनिमा
जस्के चेत: युक्कु सत युपायु कुष: दकावादि यद: वस्त्रवस्त्र: नाना का यंजाव: :यजाहा
ट: दव्य थिल या कोके का मजयु युकु मान्य या युः थथ दव्य द यकेफायु: दुर्व कदाट
अभ्यागत: लाजस्याहमी ज्याम्याव माहा गु थि नलका यर्य: लघ्री यु: ति माय हाट द यु
यु [illegible] वाधि थान कजयु: बन्नु पदन भागदि: यतप चभाव ॥ तीट थान कपा ख्या
थ तज त: याथनग: ज क्क थतीची ॥ आहाट: जा: थाटि: ठेगयातु: वात पीतिह ॥ ५ ॥

८ ॥ ५ ॥ ६ ॥ न ॥ थपीटय: कुक्षि ठेग: मी बास्याक दु नडाटदला दुवी युकु: ॥ २५ ॥
८ ॥ २५ ॥ ६ २५ ॥ माहा व्याधि: सर्प्रभय: वटेग्यालजमी मजु पद: ॥ ३८ ॥ न ॥ ३८ ॥ ६
॥ ३८ ॥ न दया पुवाद: भयदं ॥ ५० ॥ जोलदाया: कुद्दि ठेग: थतीन पुमाःयुदः ॥ ८१ ॥ अथा
वाद: ॥ ९१ ॥ थतीन आकाल मत्तु: भ मासके यान: छमो या चेकय: दोल द्दि आहलवी
य: ती थलमन: कुसकुतो त्यास भु पुजा याय: टक्षा पाथ याय: माहादेव पुजा: वीत का
लसवाहिवी य: थतीन आकाल मत्तु नासजयु पा याय्य: याकुतो छुता मच्चा सप्त: थोना
य: नीकुत मजु: वैसाष कृष्ण: सप्तमि: स नमिषन न क्षत्र: जकु मतु दिन जला ॥ १६ ॥
अतल्यान क्षत्र या: मित्र देवता: वैश्रवन देवता: लैवा यनी गोत्र: हेल लालन देवता:
मगलत्व: न युकं वर्न: विक्ष ललि पाद ॥ ३ ॥ यन ट्ही पाद ॥ १ ॥ अं गाटन क्षत्र
॥ ३ ॥ दहस्पती देवता: थोनय जात जं वृ मेषगोतो: पंदित पुग्यावैता: धर्म लिल यकडा
हा: हथि: सिग्या म सभुट पी नाम नं: ज: यकुपवद्: मीत्र सर्वचन: वीधयाल व: व
हक्षत्र: धम देवद यकेन्या: कालहल ॥ ४ ॥ काय सचाथा कु: वैयट चीत: गतिवाउन

नापञ्जनकद्भाः चावलो: घनतोल मनोव: : नसर्ले सप्रीती दृपगि: मत्प वादि आल भाति
वावचः वादि: गनयता: नायक धुतौ स्वभाव ॥ नीलची वाहन घ्य: प्वाथ सः ए हातसः पा
थसः तुतीची ॥ त्व पूगीत भाडवक्षि मना टीकाए: स्त नीव ॥ आहाट माा भोजनः ए
डा डिडयश ॥ एरापीतः अजीर्नः अकाल मजुः डाकुड्गाहाद: कथ टेग्र ॥ ॥ न्वान प्वाकुपी
एपीदनाना वाधि दे ॥११॥ दुष्पाभ यदे ॥१२॥ सर्प्प भयदे ॥ २५ ॥ अतीसार भयः सिमा
नकोतरि: न ठप्रु भयदे ॥ ३४ ॥ समत भयः पसपा भयदे ॥ ४५ ॥ मोल्ल स्नाकः पीकथन
चा वमा भयदे ॥ ५५ ॥ षुपा भयः पाथमा कगयः धुद्वि प्रकाएन पामायुदे ८० ॥ अ
थवाद ॥ ८५ ॥ न्याम: धोप्रका मन्याल के पात: सीवपुजा: नानायी धान टी व भी
मात्र: वलिवी यः पामायुदिनः तन द्वो एगाकः अतः पूर्व फाल्गुन क्षत्र: वृष वा ए वा
चातमन भवी ष्य ॥११॥ अक्षल क्षनयाः गुज्य देवता: कुमा देवता: वाव वाहनः एक्षसजातः इन्द्र दे
वता: नापुलासः दुनाउवलवत: माहायुधि: वडुमिर्व: ज्यायुर्मि: ज्यानएभ पुः चन भाति: एगौ मिमाल चपल:
काप्वा दृप: श्री मि भाग्या: चीतथिए: मिलवत्र: नाप्रु भाव: दाद्वि जुगुप्: वज्जानमा धावनीत आभिमानन

गर्भाष्टक:

साह: च्यागुय दि गीतवा उत्तर पलय पङ्आनी: वा पान: हाथेनु वे सोज पु: तिनी मनी नपुः ष स पु
दष्प: धमलयपउ दीलगि मन: नपवाधि: चीत घाक: भक: देवा देपकवि: कुलचीत: माम वयु: वादि: चु
त: ग्रुवि: प: नक्षत्र यापु: सपानकाय: मोचाभाक: कापमो गृध्यकः गगति मिड हेताथ महो: घुनधनमो
चकीयान कुषल्मा पीः वचन थिल न्यालदृवि: धुत रितोभाव: ॥ नीलची: गवोनः अन स द्वे द्वेलः हल
पादः कर्नत ष्याएन: धुतीरि ॥ त्व पूनाना जप द्धि: नेष त मद्र धुति ॥ आहाए ए पक्ष षापु पापकु
एमिलान भोजनः ॥ चातुलेपीजः आकाल: मनु: स्रो कुन्या न्या एन्वाद: कर्चा विदः ॥११॥ मास ॥११॥
॥ ऊ ॥ ११ ॥ मारुव्याधि दुपा भय दव दे ॥१२॥ जोल व्याधि दे ॥१६॥ सीमाम भय: कोती तिभ
पेच्छः ग यपकव दे ॥ २१ ॥ मिाल कोतानि वि भय: दात्रीत वर्ष: सम्रव्यांतक दे ॥ ४२ ॥ पतनादि पफवु:
दे ॥ ५१ ॥ धनजुपाव: मा पञ्चानकः पमायु आतविर्षः अथवाः मत दे ॥१००॥ अकाल मृत्यु माम
नकयान: दुनाप: सनुमालान: दुपकाप्र मेह ध्वजुजा: अगनी पुजा: तैजाउपकैः वन्धान पुजा बुन्पुजा
कीर्नि पुष्याव: एन्वा मचि: तुयुपताकछूय: अत्त तम कानलपाठिवा प्र धुत नाता: ॥१८॥ मुलनक्षत्रय
गमसातवाजा: एकताल इन्द्र देवता: धनवाहन एक्षल सान: तानपुलीप दुनाप दृषः गल्ला मैत्री लोभाव

ह्या चोमो वे लत ध्वत माप्र ली थे तुबि:ग पवे हाद्र व्य यी ती सोपल य पायु: व कुमित्र: पुत्र धन नाय
यण जावे: हाधि ग्यु: मायावुधि: वचन मेध्यु यविवि: ला भागि अभि मान: लेगाशु ग्रु ताता मखे
वो यं यव: व दवित्र अथ पत्र देव कृत: काल ना यु: पंच माध्या कल: लुची नि: म ध्यरे द्र यायु
टलेत्ताग माहुायशीतः दाप्र का थी: ग्ता ग ध्वेन त: टय: थुती तो भाव: ॥ क्रमात्:
भाग भौ जन: भी थायु यात पी तलेम: अती नि: नव टे मत्त हाएदे ॥ १६ ॥ मोठ ग्याकः काल ले ग
ऊ एदे ॥ २० ॥ मोला वं को ताने ये व: पंच तत ग्रेदन मा तः पव कौलं तीन विमय दे ॥ ३२ ॥ अ
तीमा तत्रु: न ध्या तकभय दे ॥ २६ ॥ मात्र ध्याति भय दे ॥ १० ॥ चोठ भय पट मा छ दे ॥ ४१ ॥
माण्युवन दिव: नाना दर्या: ग्रीउल भना दान वा य श्वन कोती त्याय: ही मोइन मदु: ध्वया
नी काट याय: यान: दुवा मालान: ही व पुजो: वल्या कन्यु गात्री थ गम नम्र मद्र मवरे ध्य ॥ १४ ॥
पुवाषान दति याः धनदन वालनः मन दया तः माल कलु तोः हृदु देव ताः नौ यु ध्याल: पीदेन
प्यावन व चउ थी लुलो भाव धर्म अत्मा आथेल धन लवः जण प्रातीलः गरव्यकान: हेतु कायु
पालकलदाटि द्र: नदूना नायुः छ भाव पजली धर्म गधि: देवकृत: ध्याव्छ्र नाया पु गती पको
व ऊसु ग्त मचा तो पका दपवाठि ध्य: सुपरि थिबा वचनः आयुय व: धन का वेगल: ॥

कलात मायु: देव हा लज त भागी: ग्रह भगवी: ध्वल भागि आदि मकत्यु: धुती तो भाव ॥ नी
लवीन: पय तत याठा न ष्य हृदि सक्ष पाथ: ॥ धोतिची: चिप्र नाना आलकाल ॥ चातुयात
वी चलेग अति: लाजो: एक अति मात: अली नि: हलपोत: धा यः अका लमदन: हृदे ॥ ४ ॥
भाईन दब भय दे २ ॥ वला धाट: वो पीनी को वीरी वम यु: द २० ॥ लेग अति लाट दे ॥ ३२ ॥
मजात वएध्यार्थ दे ॥ ४५ ॥ वष पा भय दे ॥ १५ ॥ बोन की यु भय धुती ड्य काल मनं मु
मालके मात: नक क्ष वेत्प थाय: लानी त्यालि कनन: धुती न पमो लदे ॥ ८५ ॥ अथवा
॥ ६१ ॥ देव वर्ष हनकु: ध्याकु भुव काति: न्याव: अथवा ताम द्वि ७०५ प्रतादेन दिट छेक यु
पी यादन क्षत्र: सु कवाट: थोती रुद्दतान: मनादिन व चाक ॥ २० ॥ उव घातेन क्षत्र: पा
पी यताल वो छ्यु दुव ताकली श्च लक्षत्र: दो पता काहन: मनु धाठा त: माकल दत्व: ऽपा
पुत्रो ईवदन: पादेल न छवी: आघा लपा वयु यययु: भव काला तवम हाः प्रीती: की
पत्र ध्यु यु: मधिल टया कल: दाटि द्वा कजामि: काय म चाय को अव्याहाट: धर्मला
तः अटपट घा हन: प्रवज्या नीत कुलदीनः सम्मलवाटि काले प्रीती इव: गन्ध

गत्पयीयः नमदाकानि बाल पायुआतीनः भागी मत्ताचभाव नी लजल वाहाने ध्म हलयी
पे थ्यात दुंदुं स्वपाथल वीमिथोतोः म्पोपुट्ल ले कोदुः वस्त्रे च्यपा ।। आहार मर्भ भनी ।।धा
तुवात पातः फलतःट अकाल मनुकुहर्तं दं ।। प ।। पेत्तापे कुमा भय पीलाव देकाल्पुनपु
नीत भय दं ।। १४ ।। माहाव्याधि दं ।। १५ कामजोल हे सोट मनोमज्जान्याद ।। २१ ।। मनुजोल
दप्वद ।। २० ।। कातीनी वपभय दं ।। ३२ ।। चौठन पृपृभयः स्वानपुभयः दं १० ।।
समी मनवट्याले : मनुउपायनाविपुजाः लकदेचैत्य थाय हो मह्योयके मा नीकर्मनिः वल्या
चन पायः लहाटपुजाः शुतिनिचाग्रापाटिज्याय : पमोपुदं ।। ६१ ।। म्वान्यावक्षमप हल्लः
म प्वाये : पुर्व मद्रनक्षत्रः आगमवा वा या तिल मजु ।। २१ ।। यावनन क्षत्र यात्रीताट वीहनु
देवताः नटवाहराएदेवजातः भाठकमलः म्याभवर्न मेच्याविः वी देललमुखीः अथवन्तः
वहुमीत्र वाट मिदाट दुः काटातम करनेः कुवः काठनमनः राजा म्यावक वौलक नु वामडिज
क चीत्त कल्यानची कोधि थवतीसभाव ।। तिहोन्चीमीपाः उदफनं गल्याथः

धौलीतिहा ।। स्वप्न अग्नी ज्वाला ।। माहाट मत्स्या : मीत प्राधु यान्नु ।। धातु वालपात
ट्कु नेत्ररोग दुंनरोगः कराह रोगः कर्नशूल मुखपातनः वैलयर्धके चीः व्याधि चाठराय हुलदं
।। ६ ।। देलयर्ध ऊटदं ।। १२ ।। कुली रोगजोग दं ।। २० ।। मनी नीमितीन डुवदु ।। २१ ।।
लीमाभम सानचोधुभयदा ।। ३३ ।। जोठकुहिपोगदं ।। ४० ।। पुनपुन भय : सान चोपु भय
दं ।। ५० ।। जोराउातीटभयः धुतीमनुमजु टमादं ।। १०० ।। त्वाड्यायं अंवमात्य उ रवा
चनक्षत्रः मध्यभृगुअर्दनति ।। आकाठमल म्माल्के पातउपायः होमछायके कुलस्वता
स्पताप्राधान : सीवपुजा चैत्य पुजा : लकदू चैत्य पुजा सिहाट पुजा : समस्त कर्मन वालिवी
य कलल कर्म द्वाथा थयायः अकाठमल नी याल जुयु ।। २२ ।। थव नल नक्षत्र या त्य
प्रनाल पिहाः देवता : वाउगल वाहन : एकुशलगन : सीहलित्व पीत वर्नः नमताताम एद
चीजर्वित्र : कलडनर्दपाती : सर्व तोन्भि : अभागी: हाहविटि थ पृष्ठी : वीदेलल छवि
वजनत्वीट : माताकुधि : हयी वाधे मेषी लट ययः मादिक : तत्वपादि कलसप : गो
जल मदः राजल्पवकः क्वोसालित्युयीवन्त मयानउयुः चीचाट चीत अभीमानः
बीप्रकोध्चीताः तोगुगी कवदयके तवाट थवतीस्वभाव ।। तहिरु थान :

मांगलिकी ००१

प्वा थसकृा मसः प्व थसः प्वा थसतात मः यः हेय्या मभाती चिन ॥ च्ययुम मस्त पटिकारन ॥
आहारः रज्जः धात्ति युयुध्वः धृती तवछ्य सव ॥ वातु वात वीतिः रोगसी मेटः कुक्षिरोगःयु
मः अकाल मरः कुरादे ॥ २॥ मृत्युपात नजोलई ॥ ८॥ ८ ॥ ८ ॥ कुटमोहान्याधिमोहन्याक
कुरादः ॥ १४ ॥ चनुपद भय दे ॥ ३० ॥ गत्भ रोग मवीरोग दे ॥ ३४ ॥ अवीचाट भयः मनु भय
ध्वातिनपमोघुर्क ॥ ८० ॥ म्वायुवः अकाल मनुम म्वाव्ककेयातः हुपायमनती स्वातिकनः व
हिवीय मी माधियुः कुमलकर्मः भुमवापीइावः सहाट कर्मदेव दाकाम मपायः धृतीन आ
कालमनुनामजय ॥ २२॥ मताभि भान क्षत्र पाः पकमाहाः वरुनदेवताः मषवाहनाएक्षम ज्ञात
तुलजस्वः उत्तपदेस कृह्लवर्न धर्म आत्माः त्वायुयादः तजोम्वावाहयाव तजोप्रीतीः पाट
वाट पकोः पन्दीतवी चन्द्र क्षानः ना पुनः दाताल तमधाधिः आयतसयुवः नी एउध्वनी दः
पुः ह्लोइपानन्ता मः वाहा ताहाक ः वातोयु तेप दिर्घ रोगी नीपुनमद् दाजट ययुः च्वनहा
अवीचाट भयः कीतियाभय ः मव्वमस्वयाव न्याम्यु कुमल कर्म नेमीः थम याह्ला ॥ २॥
भाप मनिहय जगतप्रथ्या न्ती अवी ध्रु मिलवत्र कायताछ ॥ ३॥ त्वायुः न्वोलचीत
मीथुनमप्रीय कानवा यघुत्म आत्मा मानमपाल्न हा म्यप्रीयः हेले लौवः च्वकोडको

ल्पयः घ्या मु जमत्वं वादि धृती सोभाव ॥ तील्चीनवाहास गट सपाद उदट हलो ओचाः न्
घ्यचीन धृतीः ॥ भडावसमस्त ॥ आहार चन्त्रा साटि भोजन ॥ वातवातप्रीत रोगः अति साल
अजीर्न सी मुलकची ः चाकु ः चाद ः मी घा स्याकवे सर्प्प दे ॥ १५॥ अग्नेचाट दे ॥ २५॥
मत्रुपानय हृदयरोगः कुक्षिरोग दे ॥ २३ ॥ अवीचाट भय दे ॥ ३५ ॥ सनीपात एजरोग
धृतिप्रकाटरोग मनुः मरुपायः होम कर्म पावके मेषु ज्ञायाभवके उत्पचेटानः धर्म धातु यु
जायायः कठिवीयके ः पुजा हाय पट मयुदे ॥ ८५॥ म्वाम्पाव ः यनयः कृष्ण पक्षत्र भरनी
नक्षत्रः सनी ध्वजोटः मदिरथोलो ॥ २४॥ पूर्व भद्र नक्षत्र याह्तिताटः कोपतो वाहनः म
नुष्य ज्ञातः सिघ्यमतोः तोयु ख्याट गोविट मेनः नायु दान पुन्य याजुः सत्व स्वभाव
स्वयातदीयुः वीद सम मुर्ख वाट कलदारिदु आयतसनयः प्रीती यको नसाक
वमुः तपटय मपा वमु लि लवत्रः वनी ज्ञाटकर्म पुत्रलाभः नानावी ध्रा सवः सोभाव
गीत वा दुसवः गन्धमाला सतवरोगी ज्ञयफल कुलचीन पंचम वर्षः वावनचीन्तः पि
चत्रा पर्षा वीयमचीनः चोरोधवि व कुदाल दासि वकु मीत्र सत्यवचनः श्रोएवयुः द
नपवः ठताशिस्वभाव धृती ॥ तीलिसम्य जुगलम यट सप्यायसः वाहास देसः ता
ज्ञानमचीन धृति ॥ मयुम मस्त आहार साटि भोजन सम्मस्त यव ॥ वातु वातः प्रीत रोग

॥स्नान अकाल मृत्युः च्याकु च्यात च्याद मिः च्यास्याकर्द ॥७॥ द॥ ला॥ दोल दृ मर्द ॥१६॥
ओनर्द ॥२१॥ मिग्राम मिभयर्द ॥६०॥ कृष्ण लेगः थ्वती प्रकाप्रेगः पस्मोपूर्द ॥१००॥
म्वान्या वय नएथ्याकृत्य भत्नी नक्षत्र मनीम्ह वोट मनु थ्वती प्रकारः मन्वाल केपातः ऊपा
यः होमदां म्वानथ थ्वेत्य पूजाः अतवालि वीयः थ्वतिनि सत्वीः ॥२५॥ उत्र भद्र नक्ष यः ॥ दिता
गनपती देवता पथि काल आसनः मनु ध्यजातः ग्व मत्व स्याम दर्नः पएईन धर्म मित
जीमि ॥ अथः वत्र भुत कर्मः दाताह मा त्र मवः पुनकाछिः गन्ध मालेः प्री देसकुलः नाना
कथाम वः सदा हर्ष मानः दृहदत्तः वाहा ताहकः मीष्मा चयवलः पसु जातनकालिः गन्धमा
ले प्रीय देवकुले नाना कथा मव सदा हर्ष मानः दृहदत्तः वाहा ताहाक मिषा चयवलः प
ऊजातन जोटमेवः ज्याकुमी कर्मः बहुमीत्रः टला प्रीतिह्नि ॥४॥ कन्यातं कायल ॥५॥
पाछिाट पकाः मम्हजलव पाटिपात यायः वाक्य मिङः वहस्म मज्ञा कर्म वकमित्र
स्मा प्रीती ह्नः ॥४॥ कन्यातकायल ॥५॥ पाछिाट पकाे मम्ह जनवुः वाटि वात याय
वाक्य मिङ च्याकुसम ग्याकः क्वाचिदत्त ट थेवी देसम उभिघ्यकः येल्म अत्माः नाना

ज्ञानयः दर्वेपा अन्न रूपः थ्वठः माया वृद्धि चेद ग्याम्पयु ह्वा युयवः वी आयर्दं जनः जीवा
वसगयाकः वउ ॥२॥ आयस मित्रः प्रदेशउ पन्याव ह्मदः थ्वतीस्व भव ॥ वाहा जह
देहे म्वाव थ्वति ॥ आहा जा अं दिने समस्त नयवव ॥ अकाल मृत्युर्द ॥७॥ कीस्त्री ऐग्र्द ॥
१८॥ जल भयः देवकोमन मनिपातर्द ॥२५॥ पक भयर्द ॥३१॥ समागमस भयमा मेलया
भय श्रुति भयगु म्वाल केयात उपाय माहा देवपुज्याः गोकेम्वा पूजा होमद्यु अकेः मानवीक
मीर्न वाछिवीयः ॥ शा पा थया सेके पाउर्द ॥१००॥ म्वाइनव यन एपाकृत्यः संस्त्रि
आर्द्रा नक्षत्र अंस आए एवी समीतिः ॥२६॥ देवति नक्षया चीताट चक्रः वाहान देवजात गडास
त्व नन्दीत आयतन प्रीति श्रीङ्क कराव पृथ्वीः धर्म मित देवता आटचन प्रवचिन्ता ॥ विष्णु
नदपेके न्या एभ्रली ... चनदव थ्व आवगृठप चोत्वाट आन्मा समस्त पाटिकालनः वहन
पः थाय क्षिप्र कामीनि ह्मय मनी कान त्रि अनेक नीती सपतिः जनयको नवहेतः मी माके
मापुः मिष चयवत थ्वती स्वभावः ॥ तीरवी वाहाने ष्यान गटम प्याथमः गजपः हन
... जीव धृति वीनिः स्वपन नाना अंकार ॥ प्वानुवातपीत अकाल मृत्युर्द ॥८॥ मृत्यु

नं कथितेग: हस्तपतस्याक अजीर्नवास्याक: कामडोरु:। भिक्षास्याक सामेतयाभय
॥२१॥ आयाभय: कोनीनीयाभयद् ॥३२॥ दिग्नामसभय ॥४०॥ अथ चालेय
हृदयवेठा सत्रू भयदं ॥२१॥ मातृ थीपका। फेयपात: छत्र ददयक: चैत्रपुजा
अयकमर्याचके वारिधिवीय मतृदिन: भाद्रपद्मा हस पुर्नमी ८ वातिनक्षत्र: सनीश्च ८
दा मेतृ भर्वती: इतीन क्षत्रमाल्गा समा प्रम:सं पूर्नभिर्भं
इतीसम्वत १९५२ साल मिति आषाढ शुदि ११ एजाइक ॥

(गुरु) आ गाहननजा नामी स्वामी वीसर्जनि: मैत्र पुजा नजा सीन (ना) जा नामीं दश मापह: तूमं माता तूम
पिताचैव: तूमदेव गृहवीचवा: अनेत्र सर्न नास्ति मम पापक्षयकरु: मैत्र हिंरी क्री
याहिन भगी हिनीजना न यतद पुजीत मया क्षपाटिपुर्नं नदस्तुमे: यदिहदोवाअ
ह द्रो वा मम ५ सनादि यस्प

ॐ १ पंहैलपंहैलप्रनंभाः

. भेरकरूपे.ली हा लेक्को राज्ञा करूपे.लाँ

रामु करूपे.साम्रा नचं.ट तुनां अक्षरा करूपे

रकृका बाचा ॥:॥ गुरू कीसक्को सारा भक्को

गीरा ई.कुभर की बाचा पैक्का की बाचा कुपा

कल हाल ध्याहा ॥:॥

___ ___ ___ ___ ___

डी देउ ताकेः० धनी माता को ० हे नक गोर क

यं ट:कुमा नतो नतो ० गोरा ती भी हर भारी

र कह खेलान रा कु केकैं दी मा लको भते हुरी

मा धर्मी दी उल्ल हुँ हूँ वेभर गुरूदे बाभ.

___ ___ ___

नक्शाहै

दी ई दि ति ध्याहा

र [illegible] को आगुरू दं रागान हुँ हूँ हूँ

कीमी वीं धीं वीं धूं धीं धूं वीं गीं ध्याहा

लं ध्यामीती धार भार कामी ती ई.ध्यर माहा देव

आ दकुतीतो की बाचा नाना नागी नीलिल पार

ई ___ वीं तं यं हुं वीं गं कं ठं धं यं

.लं डं हुं भं ई. ध्यें धा भीं यीं भीं लीं बीं कीं

० कड़ा छं कां भ्री. वीं लीं ध्वें दं रीं लीं धाहा.

प्री. धीं ध्या हा उँ हं कं यं टीं ध्याहा ११ के

रीं जं १प्री उगी उं लीं ध्रीं १ती वीं हुं ध्याहा का की ल्वा.

नीं धीं मी उगीं रीं ध्या ज्वां तीं नीं १धा वंध्य ध्याहा १

[illegible]

[illegible] आड़ा ॥ [illegible]

[illegible] डागु की [illegible] वाचा की [illegible]

[illegible] ॥६॥ [illegible]

[illegible] मीसाउं [illegible]

[illegible]